हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

तापमान

अधिकतम 30.5 डिग्री
न्यूनतम 8.5 डिग्री

11 विज्ञान, कला और वाणिज्य का समागम नए शोधार्थियों के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के लिए भी आवश्यक

12 नारी शक्ति ही अपने साहस परिश्रम और दूरदर्शिता से असंभव को संभव करके दिखाती

DK Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
प्लॉट ही प्लॉट
मात्र 16000/- से 20000/- प्रति वर्ग गज से शुरू
DK Yadav
(Real Estate Developer's)
9467141575
Website : www.dkrealestate.co.in Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate

खबर संक्षेप

बाबा गोबिंद दास धाम में मेला व भंडारा 14 को

रेवाड़ी। जिले के गांव नांगल शाहबाजपुर स्थित बाबा गोबिंद दास धाम में धुलेंडी के अवसर पर 14 मार्च को मेले व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गद्दी आसीन महंत डा. जय किशन सैनी ने बताया कि प्रतिवर्ष महात्मा गोबिंद दास की स्मृति में धुलेंडी के दिन मेले का आयोजन किया जाता है। श्रद्धालुओं को भंड़ारे में जाने का आह्वान किया। मेले में राजस्थान व दिल्ली सहित देश के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग बाबा के धाम पर आते हैं। धाम पर विशेष तौर पर गठजोड़े की जात लगती है और छोटे बच्चों का मुंडन भी कराया जाता है। उन्होंने बताया कि पिछले करीब 500 वर्षों से बाबा के धाम पर मेला लग रहा है। महंत जय किशन सैनी 15वीं पीढ़ी के तौर पर इस गद्दी पर विराजमान है।

राजपूत सभा का होली मिलन कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के परिवार मिलन प्रकोष्ठ की ओर से 9 मार्च रविवार को सुबह 10 बजे से चंदन-तिलक होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रकोष्ठ सह संयोजक महाशय अनंग पाल चौहान ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन कानोड़ गेट के पास स्थित हरिओम अग्रसेन लैब में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत करेंगे।

बावल रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव

रेवाड़ी। रेवाड़ी-अलवर रेलवे ट्रैक पर बावल स्टेशन के पास अज्ञात युवक का शव मिला है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया हैं। जीआरपी एचसी पूनम ने बताया कि बावल स्टेशन के समीप रेलवे लाइन पर करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला है। शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक का चेहरा क्षत-विक्षिप्त हालत में होने की वजह से पहचान नहीं हुई है। मृतक की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शव को पहचान के लिए 72 घंटों के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पहचान नहीं होने अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

रेजांगला युद्ध पर नाटक का मंचन 12 को

रेवाड़ी। राष्ट्रीय शहीद फाउंडेशन और यदुवंशी परिवार मंच की ओर से 12 मार्च को शाम 7 बजे रेजंगला युद्ध पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम रेजांगला युद्ध स्मारक पालम विहार में आयोजित किया जाएगा। नाटक का निर्देशन विजय भाटोटिया ने किया है और इसकी पटकथा साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने लिखी है। नाटक के निर्माता राष्ट्रीय शहीद फाउंडेशन के संस्थापक और संयोजक डा. टीसी राव है। कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली भी खेली जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्र के शहीद परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। शनिवार को आयोजित बैठक में राष्ट्रीय शहीद फाउंडेशन के अध्यक्ष कर्नल महावीर यादव और यदुवंशी परिवार मंच के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि यह नाट्य प्रस्तुति शहीदों के प्रति सम्मान और उनके संघर्षों की याद में दी जा रही है। बैठक में एल आर यादव पूर्व कमिश्नर इनकम टैक्स, नेकीराम यादव, वेद प्रकाश यादव, मेजर एस एन यादव, हरीओम यादव, लाल सिंह, एसपी यादव व जेसी यादव उपस्थित थे।

अनाजमंडी में अभी ओपन में सरसों बेच रहे किसान, नमी ज्यादा होने पर फड़ पर सुखाई जा रही सरसों

अनाजमंडी में नई सरसों की आवक शुरू, सरकारी खरीद में अभी लगेगा समय, एजेंसियों ने शुरू की तैयारी

किसानों को ओपन में 5500 से 5800 प्रति क्विंटल तक भाव मिल रहे

- सरकार की ओर से सरसों का एमएसपी 5950 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में फड़ पर सुखाई गई सरसों। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में फड़ पर सुखाई गई सरसों। फोटो : हरिभूमि

नई अनाज मंडी में रबी की फसल सरसों की आवक शुरू हो गई है। सरसों के पक जाने के बाद किसान जोर-शोर से सरसों की कटाई में लगे हुए है। हालांकि मंडी में आ रही सरसों में अभी नमी आ रही है, लेकिन किसानों को ओपन में 5500 से 5800 प्रति क्विंटल तक भाव मिल रहे है। जबकि सरकार की ओर से सरसों का एमएसपी 5950 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। सरसों की सरकारी खरीद लेकर खरीद एजेंसियों की ओर से फसल उठान को लेकर टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी दी गई है। हालांकि सरकार की ओर से अभी सरकारी खरीद की तारीख जारी नहीं की गई है, होली के बाद सरसों आवक बढ़ने की संभावना है, जिसके बाद सरसों की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद होने की संभावना है। जिले में 62645 किसानों ने 226169 लाख एकड़ जमीन पर फसलों का मेरी फसल मेरा-ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया है। सरसों के लिए 55873 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। फसल पंजीकरण के लिए अभी पोर्टल खुला हुआ है। खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से गेहूं की खरीद के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। गेहं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। जिले में सरसों की खरीद हैफेड व वेयर हाउस कॉरपोरेशन की ओर से जाएगी।

नई अनाजमंडी में 20 मार्च के बाद सरसों की आवक बढ़ना शुरू हो जाएगी। अभी किसान ओपन बोली में आढ़तियों को अपनी सरसों बेच रहे है तथा खेतों में सरसों की कटाई करने में जुटे हुए है। इस बार करीब 75 हजार हेक्टेयर में सरसों की बुआई की गई थी। पिछले सीजन में जिले की रेवाड़ी, कोसली व बावल अनाजमंडी में 8 लाख क्विंटल से अधिक सरसों खरीदी गई थी। किसानों को सरकारी खरीद के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना जरूरी है। पंजीकरण न होने पर किसानों को सरकारी खरीद पर फसलों को बेचने के लिए मंडी गेट पास जारी नहीं होंगे।

किसानों की हर सुविधा का ध्यान रखा जाएगा

हैफेड मैनेजर मनोज कुमार ने बताया कि ने बताया कि सरसों की सरकारी को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। अभी सरकार की ओर से सरकारी खरीद के आदेश जारी नहीं हुए है। आदेश जारी होते ही नियमानुसार खरीद शुरू की जएगी। किसानों की हर सुविधा का ध्यान रखा जाएगा। 20 मार्च के बाद सरसों की सरकारी खरीद शुरू होने की उम्मीद है।

प्रति वर्ष धीमी उठान प्रक्रिया बनती है परेशानी

अनाज मंडी में प्रति वर्ष फसल लिफ्टिंग प्रक्रिया धीमी रहने के कारण किसानों व आढ़तियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अनाजमंडी के अंदर व बाहर जाम के हालात बन जाते है। अनाजमंडी में ज्यादा हालात खराब होने पर खरीद प्रक्रिया को दो-तीन दिन के लिए बंद कराना पड़ता है। अनाजमंडी में फसल से भरी ट्रैक्टर-ट्रालियां को खाली करने के लिए जगह नहीं रहती है।

गोलियाका में आंगनबाड़ी केंद्र व प्ले स्कूल का किया उद्घाटन

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उत्कृष्ट योगदान देने वाली 50 महिलाओं को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। आंगनबाड़ी केंद्र व प्ले स्कूल का उद्घाटन करते डीसी। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डीसी अभिषेक मीणा ने गांव गोलियाका में आंगनबाड़ी केंद्र एवं प्ले स्कूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उत्कृष्ट योगदान देने वाली 50 महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 44 आंगनबाड़ी केंद्रों खोले जाने की घोषणा की। गांव गोलियाका में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। डीसी ने कहा कि यह दिन समाज में महिलाओं की भूमिका, संघर्ष और सफलता को दर्शाता है। महिला दिवस का दिन महिलाओं की समानता, अधिकारों और उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लैंगिक भेदभाव समाप्त कर एक समान और सशक्त समाज का निर्माण करना है। इस अवसर पर खंड खोल के विकास एवं पंचायत अधिकारी संदीप शर्मा, गोलियाका सरपंच मंजू यादव, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर स्नेहलता तथा मनीषा शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गर्ल्स कॉलेज बावल में

होली मिलन समारोह मनाया

रेवाड़ी। शिक्षकों को तिलक लगाती छात्राएं।

बावल। राजकीय कन्या महाविधालय बावल में शनिवार को होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ममता गुप्ता ने की। छात्राओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी तथा शिक्षकों को तिलक लगाया। इस मौके पर छात्राओं ने डांस की प्रस्तुति भी दी। इस मौके पर सहायक प्रोफेसर राजेश बंसल कहा कि होली का पर्व गिले-शिकवे भूलाकर एक दूसरे को गले लगाने का पर्व हैं। उन्होंने कहा कि सभी पक्के रंगों से परहेज करें तथा होली पर पानी का व्यर्थ न बहाएं। इस अवसर पर डा. दलीप कुमार व पूनम रानी सहित सभी स्टाफ सदस्य व छात्राएं मौजूद थी।

महिलाओं को अपनी समस्याओं को लेकर संगठित आंदोलन करने की जरूरत: गीता

- महिला सांस्कृतिक संगठन की जिला नेत्री सुमन देवी ने महिलाओं के अधिकारों पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सभा के दौरान पार्क मे प्रदर्शन करती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन व स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जिले भर से सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया।

सभा की अध्यक्षता महिला नेत्री कृष्ण यादव ने की। महिला सांस्कृतिक संगठन की जिला नेत्री सुमन देवी ने महिलाओं के अधिकारों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि 8 मार्च 1908 को न्यूयॉर्क अमेरिका में हजारों श्रमिक महिलाओं ने आंदोलन करके समान काम का समान वेतन व काम के आठ घंटे करने सहित अनेक मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। बाद में 1910 में कोपेनहेगन में हुए अन्तरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में विश्व विख्यात समाजवादी महिला नेत्री क्लारा जैटकीन के प्रयासों से आठ मार्च के दिन को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिली।

जुल्म अत्याचारों के खिलाफ अभियान चलाने की जरूरत

स्कीम वर्कर्स फैडरेशन ऑफ इंडिया की जिला संयोजक तारा देवी ने कहा कि यह दिन महिलाओं को अपने अधिकारों को जानने और उन्हें हासिल करने के लिए संघर्ष करने की शपथ लेने का दिन है। महिला नेत्री गीता देवी ने कहा कि महिलाओं को अपनी समस्याओं को लेकर संगठित आंदोलन करने की जरूरत है। सम्मेलन की अध्यक्ष कृष्णा यादव ने कहा कि हमें समाज में व्याप्त अश्लीलता, नग्नता, बेहुदापन, शराब खोरी, नशा खोरी व महिलाओं पर हो रहे जुल्म अत्याचारों के खिलाफ अभियान चलाने की जरूरत है, तभी हम अपने समाज को बेहतर बना सकते हैं। इस मौके पर मुनेश देवी, भतेरी देवी, बीना देवी, सोनू शर्मा, अंजू, रेणू, कृष्णा, पुष्पा, राजबाला, निर्मला, पूजा, रोशनी, संतोष, गुड्डी, सावित्री, पूनम, महावती, आशा, सुनीता, बबीता व मुकेश सहित अनेक महिलाएं मौजूद थी।

संस्कृत अध्यापक से 4 लाख 18 हजार 999 रुपये ठगने का मामला

शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस गिरफ्त में ठगी का आरोपी।

साइबर थाना पुलिस ने गांव जाहिदपुर निवासी एक संस्कृत अध्यापक को डिजिटल अरेस्ट कर 4 लाख 18 हजार 999 रुपये ठगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला झुंझुनू के गांव ढाणी नवोडी निवासी आशीष मिठारवाल के रूप में हुई हैं। गांव जाहिदपुर निवासी सुधीर सिंह के मोबाइल पर गत 7 जनवरी को किसी मोहित हांडा नाम के एक व्यक्ति का फोन आया और उसने बताया कि किसी कृष्ण गुप्ता नाम के व्यक्ति ने मुंबई में उसकी आईडी पर उनके नाम से बैंक खाता खोल कर मनी लांड्रिंग की है और करीब 68 लाख 50 हजार रुपये जमा कराए हैं। वह अभी सीबीआई की गिरफ्त में है। आरोपी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने उसे भी डिजिटल अरेस्ट किया है। आरोपी ने उसे व्हाट्सएप पर डिजिटल अरेस्ट का ऑर्डर भी भेजा। इसके बाद आरोपी ने उसे एक यूपीआई आईडी भी भेजी और 16 हजार रुपये जमा करने के लिए कहा। डर के कारण उसने पैसे जमा करा दिए। आरोपी ने डरा धमका कर उससे विभिन्न ट्रांजेक्शन के जरिए 4 लाख 18 हजार 999 रुपये जमा करा लिए। उसके एक साथी के घर आने के बाद उसे हकीकत का पता चला। पुलिस ने साइबर थाना में ठगी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पता लगा कि साइबर ठगी में राजस्थान के जिला झुंझुनू के गांव ढाणी नवोडी के रहने वाले आशीष मिठारवाल का बैंक खाता भी प्रयोग किया गया था। मामले में पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी आशीष मिठारवाल को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

स्मैक उपलब्ध करवाने के मामले में एक आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी चेतन शर्मा।

- पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

कानोड गेट चौकी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव पीथड़ावास निवासी मोहल्ला विकास नगर में रहने वाले चेतन शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 21 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली कि मोहल्ला यादव नगर निवासी अनुज कुमार नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का काम कर रहा है तथा रेलवे अस्पताल के सामने पीर बाबा के पास खाली जगह में स्मैक बेचने के लिए खड़ा हुआ है। पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर 1.66 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी अनुज कुमार ने बताया की उसे यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक विकास नगर निवासी चेतन शर्मा ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त आरोपी चेतन शर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया है।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा

शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

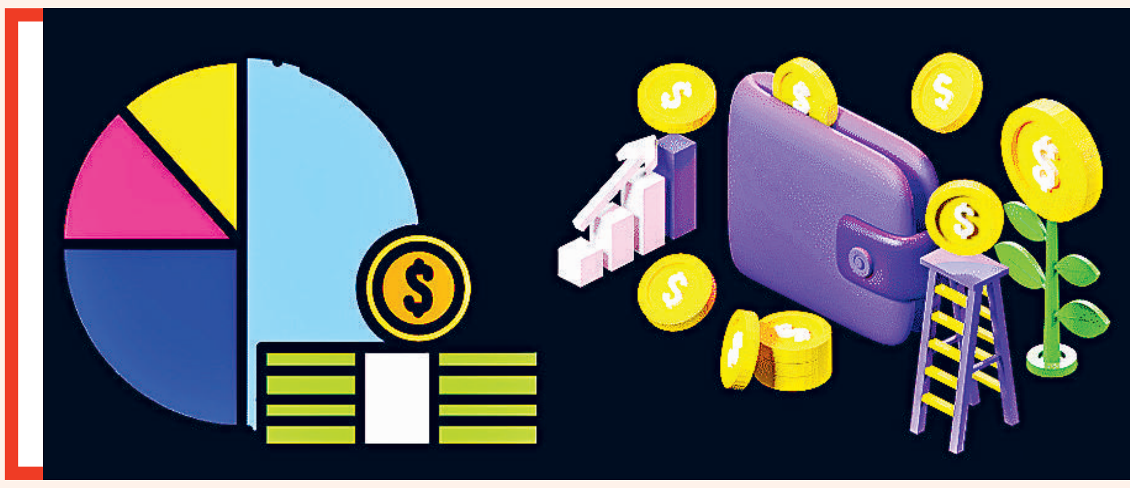

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह

बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नीव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

बचत

विनोद कौशिक

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज़रूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

आरके वाटिका में होली मिलन महोत्सव 11 को

महेंद्रगढ़। हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा 11 मार्च को सुबह 10:30 बजे आरके वाटिका, बवानिया रोड पर होली मिलन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संघ के प्रदेश अध्यक्ष केबी पंडित मुख्य अतिथि होंगे। संघ जिला संयोजक आनंद शर्मा व जिला प्रधान प्रदीप बालरोडिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी होली मिलन महोत्सव मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में फूलों से होली खेली जाएगी। यह अपनी तरह का अनूठा कार्यक्रम होता है, जिसमें सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षाविद्, वकील, पत्रकार व प्रबुद्ध जन संयुक्त रूप से शामिल होते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे बच्चे होली के गीतों पर झूमते हैं।

वरिष्ठ नागरिक संगठन का होली मिलन समारोह आज

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में होली मिलन समारोह का आयोजन नौ मार्च सुबह 11 बजे किया जाएगा। जिसमें एडीसी डा. आनन्द शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। कार्य्रकम की अध्यक्षता संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा करेंगे। इसी दिन मासिक बैठक का भी आयोजन किया जाएगा।

केएलपी कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का हुआ समापन

विज्ञान, कला और वाणिज्य का समागम सामाजिक उत्थान के लिए भी आवश्यक

दिल्ली रोड स्थित किशनलाल पब्लिक कॉलेज के आईक्यूएसी और रिसर्च सेल के संयुक्त तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

रेवाड़ी। अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन पर मौजूद अतिथि, शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दिल्ली रोड स्थित किशनलाल पब्लिक कॉलेज के आईक्यूएसी और रिसर्च सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का समापन हो गया। उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा की ओर से अनुमोदित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का विषय 'समावेशी दृष्टिकोणः विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी का उभरता हुआ अंतसंबंध' रहा। मुख्य वक्ता इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. विजय कुमार ने विद्यार्थियों को डिजिटल वेस्ट को कम करते हुए हरित-घर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कॉलेज की प्राचार्य डा. कविता गुप्ता ने भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन करते रहने के लिए प्रेरित किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. तेज सिंह ने कहा कि विज्ञान, कला और वाणिज्य का समागम नए शोधार्थियों के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के लिए भी आवश्यक है। गेस्ट ऑफ ऑनर डीन अकेडमिक अफेयर्स आईजीयू डा. मंजू परुथी ने आयोजन मंडल को कार्यक्रम के लिए बधाई दी।

विद्यार्थियों ने पोस्टर बनाकर दी प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में दी गई पोस्टर प्रस्तुतियों में विज्ञान संकाय के बीएससी नॉन-मेडिकल चौथे सेमेस्टर के आकाश और सत्यम ने प्रथम, नेहा और अंजलि ने द्वितीय तथा बीसीए छठे सेमेस्टर से रितिका और बीसीए चतुर्थ सेमेस्टर की कमलेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कला संकाय के द्वितीय सेमेस्टर की अंजलि और कामाक्षी ने प्रथम, कुमुद और पायल ने द्वितीय और बीए छठे सेमेस्टर की अंशु शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय के छठे सेमेस्टर से मनीष कुमार और मुकुल जैन ने प्रथम, गुनगुन और प्रेरणा ने द्वितीय तथा चौथे सेमेस्टर की सुप्रिया और रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तकनीकी सत्रों में गवर्नमेंट कॉलेज खरखड़ा की असिस्टेंट प्रो. कविता तथा केमिस्ट्री के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मनु कुमार भांडोरिया की संयुक्त रूप से तथा कंप्यूटर साइंस के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. आनंद प्रकाश के साथ सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा की शोधार्थी कुमारी सुप्रिया की शोध पत्र प्रस्तुतियां सर्वश्रेष्ठ रही।

विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

कॉन्फ्रेंस की समन्वयक डा. अनुराधा दीपक ने बताया कि विभिन्न सत्रों में 7 देशों से विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में 11 देशों के शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों के माध्यम से गंभीर एवं समसामयिक मुद्दों पर गहन अकादमिक चिंतन किया। आयोजन सचिव राकेश कुमार ने कॉन्फ्रेंस की अकादमिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। संयोजक डा. दिनेश कुमार ने कॉन्फ्रेंस की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष और पत्रकारिता व जनसंचार विभाग की समन्वयक डा. ऋचा शर्मा ने किया। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस संरक्षक और महाविद्यालय प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष रिपुदमन गुप्ता, सह संरक्षक और कार्यकारिणी उपाध्यक्ष संदीप खंडेलवाल, महासचिव अरविंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष उषा रूस्तगी, प्रमिला भार्गव, अनिल रस्तोगी, अजय यादव व सुधीर चौधरी आदि रहे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में महिला शिक्षकों का सम्मान करते निदेशक।

प्रतिभा के बल पर बेहतर प्रदर्शन कर रहीं महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अहीर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वक्तव्य का विषय महिला सशक्तीकरण रहा।

कॉलेज के निदेशक प्रो. हंसराज ने कहा कि समाज के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। वर्तमान समय में महिलाएं अपनी प्रतिभा के बल पर प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ है,

उनका योगदान हमारे परिवार, समाज और देश के विकास में अतुलनीय है। कांता ने कहा कि आज महिलाएं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उधमों में सफलता प्राप्त कर रही है। सरकार भी महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सहायता कर रही है। कम ब्याज दर पर लोन देकर निजी व्यवसाय स्थापित करने में मदद कर रही है। रजनी ने हस्तशिल्प की जानकारी प्रदान की। मंच संचालन डा. संगीता राव ने किया। कार्यक्रम की आयोजक रेखा यादव, मीनाक्षी गोयल तथा डा. अल्पना यादव थी। एनसीसी प्रभारी डा० अल्पना के मागदर्शन में छात्रा यूनिट की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 8 हरियाणा बटालियन की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में एनसीसी की छात्राओं ने महिलाओं की उपलब्धियों पर अनेक पोस्टर बनाकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर नायब सूबेदार हरेन्द्र सिंह व बीएचएम संजय डागर सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में पंद्रह हजार से अधिक केसों को निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा की देखरेख में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनीता ग्रोवर,अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद नाशिएर, मुख्य न्यायायिक दंडाधिकारी रेनू सोलखे, एसडीजेएम कोसली अशोक, सिविल जज अर्चना, जेएमआईसी बावल प्रदीप कुमार व सिविल जज आकाश सरोहा की लोक अदालतों में मामलों का मौके पर ही आपसी सहमति से निपटारा किया गया।

रेवाड़ी। लोक अदालत में केसों का निपटारा करते जज। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय लोक अदालत में 28 मोटर दुर्घटना मुआवजा के मामलों का निपटारा करते हुए 2,87,24,589 करोड़ रुपए मोटर दुर्घटना में मृतकों के आश्रितों व घायलों को वितरित किए गए। स्थाई लोक अदालत की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 6 मार्च को किया गया, जिनमें 681 मामलों का निपटारा करते हुए रुपए 11,70,323 रुपये की राशी को स्वीकृत की गई। इसी तरह 143 चेक बाउंस, 48 दीवानी मामले व 343 बिजली के मामले सहित अन्य मामलों का भी निपटारा किया गया। लोक अदालत के दौरान जिले में 15,471 मुकदमों का निपटारा किया गया तथा लगभग 11 करोड़ 16 लाख 31 हजार 717 रुपए की राशि का भुगतान हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत में जजों ने वादकारियों से बातचीत की व उनके मुकदमों तथा पेश आने वाली कठिनाईयों के बारे में जाना तथा सभी को ज्यादा से ज्यादा समय देकर उनके केसों के निपटारे के लिए भरसक प्रयास किया। लोक अदालत के माध्यम से वादों का निपटारा जल्द कराया जा सकता है तथा लोक अदालत के माध्यम से सुलझाए गए मामलों में आगे कोई अपील व पुनरीक्षण दायर नहीं की जा सकती, जिससे समय व धन दोनों की ही बचत होती है।

वादो का किया निपटारा

जिला सचिव अमित वर्मा ने कह कि लोक अदालत के निर्णय से किसी भी पक्ष की हार जीत नहीं होती, बल्कि दोनों पक्षों के साथ उचित न्याय होता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी व अंतिम होता है। लोक अदालत में सुलह द्वारा प्राप्त निर्णय से आपसी द्वेष भावना मिटती है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हेल्पलाइन नंबर 01274-220 062 चलाया हुआ है, जिस पर आमजन किसी भी प्रकार के कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सम्मान पाकर खिले चेहरे

सेवा स्तंभ की दो सदस्य नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय नागरिक मंच नई दिल्ली की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, यूपी व बिहार राज्यों से महिलाओं को समाज सेवा और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए नारी शक्ति अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। रेवाड़ी से लक्ष्मीबाई लिसाना मेंबर सेवा स्तंभ और मोनिका मेहरा सेवा स्तंभ महिला प्रधान को नारी शक्ति अवार्ड दिया गया। रेणु कुमारी जिला महेंद्रगढ़ आवाज फाउंडेशन की उपाध्यक्ष व नीलम झोलरी जिला अध्यक्ष महिला रेवाड़ी आवाज फाउंडेशन को भी सम्मानित किया गया। सेवा स्तंभ के जिला अध्यक्ष भगत सिंह सांभरिया, एडवोकेट राजकुमार जलवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरपी सिंह दहीया, रामनिवास गोठवाल कोषाध्यक्ष, अजीत सिंह बूढ़पुर वरिष्ठ उप प्रधान, होशियार सिंह अहरोदिया, अनिल कुमार चांग तथा आवाज फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र रंगा लिसानिया, प्रदेश महासचिव सूबेदार सत्यनारायण सांभरिया व जिला अध्यक्ष घनश्याम ने नारी शक्ति अवार्ड मिलने पर महिलाओं को बधाई दी है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में नारी शक्ति अवार्ड लेते हुए महिलाएं फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। महिलाओं को जानकारी देते हुए संदीप। फोटो : हरिभूमि

स्वच्छता व जल सरंक्षण के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

खोल खंड के गांव मनेठी में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस परगया। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन की ओर से बीआरसी प्रीति, राष्ट्रीय आजीविका मिशन से निशांत व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन से खोल बीआरसी संदीप यादव सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर व अनेक महिलाओं ने भाग लिया। स्वच्छ भारत मिशन से प्रीति ने महिलाओं को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया। बीआरसी संदीप ने जल जीवन मिशन, जल संरक्षण तथा ओटी किट से जल जांच के बारे में जानकारी दी।

महिलाओं की तरक्की के मार्ग बताए

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण पर जोर

- राजकीय महाविद्यालय बावल में महिला दिवस पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

राजकीय महाविद्यालय बावल में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला सेल की इंचार्ज डा. उषा कुमारी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल डा. नमिता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। सभी को उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए काम करना चाहिए। कार्यक्रम में ताइक्वांडों प्रशिक्षक दीपचंद यादव ने छात्राओं व महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएं। उन्होंने महिलाओं को विभिन्न स्थितियों में अपनी सुरक्षा के लिए टिप्स दिए। महिला सेल की इंचार्ज ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें इस दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। राजकीय महाविद्यालय बावल में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा. किरण शर्मा, सुदेश देवी, डा. निशा व सावित्री देवी उपस्थित थी।

रेवाड़ी। महिलाओं को आत्मरक्षा के टिप्स देते हुए दीपचंद यादव। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। गांव में रैली निकालती महिलाएं।

महिलाओं ने दिया बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

उनो मिंडा की सामाजिक इकाई सुमन निर्मल मिंडा फाउंडेशन की ओर से गांव कमालपुर में अंतराष्टीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में गांव कमालपुर, बिठवाना और सुठाना की 70 महिलाओं ने भाग किया। महिलाओं ने गांवों में रैली के माध्यम से समाज में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। इस मौके पर सरपंच नीलम यादव, मोनू रानी, सुषमा यादव, सुनीता यादव, प्रियंका यादव, शलानी त्यागी व पूजा उपस्थित थी।

बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ का चार दिवसीय फाग खेल उत्सव 11 से

कोसली। कोसली के बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ की ओर से होली पर्व के अवसर पर मठाधीश बाबा शिवपुरी द्वारा परंपरा अनुसार कौशलगढ़ फाग खेल-उत्सव का आयोजन किया जाएगा। बाबा मुक्तेश्वरपुरी ट्रस्ट के महासचिव अधिवक्ता संजय कुमार यादव ने कहा कि जिस प्रकार की इतिहास में मठों के द्वारा पुनरचेतना, जनजागरण सामाजिक कुरीतियों को दूर करने व समाज में परिवर्तन के लिए कार्य किए गए हैं,उसी प्रकार कोसली मठ भी धार्मिक नेतृत्व के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में समाज निर्माण के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उत्सव का आयोजन खेल भावना को बढ़ाने, बच्चों के स्वास्थ्य को ठीक रखने, एकता व सद्भावना के लिए किया जा रहा है।

महिला दिवस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर डीएसपी कोसली ने चार गांवों का किया दौरा

नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी लोगों को करना होगा सामूहिक प्रयास : विद्यानंद

डीएसपी ने महिला दिवस की शुभकामनाए देते हुए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

डीएसपी कोसली विद्यानंद ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गांव नेहरूगढ़, झाल, झाड़ोदा व खेडी रामगढ के मौजिज व्यक्तियों व महिलाओं के साथ संवाद किया। डीएसपी कोसली ने अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाए देते हुए महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। डीएसपी विद्यानंद ने कहा कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनितिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। यह दिवस उन महिलाओं को सम्मानित करने का दिन है, जो अपने जीवन में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उपलब्धियां प्राप्त करने में कड़ी मेहनत करती है। इस अवसर पर कोसली थाना प्रभारी कश्मीर सिंह भी मौजूद थे।इस अवसर पर डीएसपी विद्यानंद ने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध एवं अपराधियों तथा गैरकानूनी धंधा करने वालों पर कारगर ढंग से अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस प्रशासन की ओर से नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में आमजन आगे आकर अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं ताकि नशे को समाज से पूरी तरह से खत्म किया जा सके। युवा अपनी ऊर्जा शिक्षा व खेलों में लगाएं तथा अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने मां-बाप तथा इलाके का नाम रोशन करें। नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा, तभी हम पूरी तरह से नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त समाज की स्थापना कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें। उन्होंने बैठक में आए मौजिज व्यक्तियों से पुलिस व आमजन के बीच सामंजस्य स्थापित करने व अपराधों को रोकने को लेकर सुझाव भी लिए तथा पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

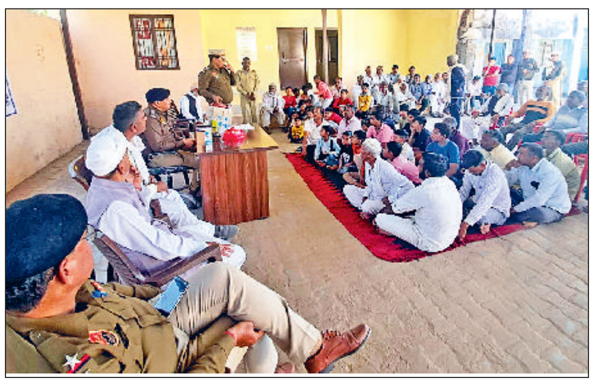

रेवाड़ी। कार्यक्रम में ग्रामीणों को जानकारी देते डीएसपी। फोटो : हरिभूमि

साइबर अपराधों की दी जानकारी

डीएसपी ने कहा कि सभी साइबर अपराधों से स्वयं को दूर रखे व सोशल मीडिया पर अन्जान लोगो से फ्रैंड व फॉलो रिक्वेस्ट असेप्ट न करे और न ही अपनी गोपनीय जानकारी किसी को दे। किसी भी साइबर अपराध के घटित होने पर तुरंत हेल्पलाईन नंबर 1930 पर काल करे या पुलिस की साइबर क्राइम की वेबसाइट साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि महिला विरुद्ध अपराधों पर पुलिस द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। महिला थाना, महिला हेल्पलाइन 1091 व डायल 112 पीड़ित की मदद के लिए है। महिलाएं कभी भी अपनी शिकायत दे सकती है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्रामीणों से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील भी की।

रेवाड़ी। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश अशोक कुमार।

कोसली लोक अदालत में 312 में से 124 वाद निपटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली अदालत में शनिवार को एसीजे सीनियर डिवीजन अशोक कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 312 मामले सुनवाई के लिए रखे गए, जिनमें 124 का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। लोक अदालत में सुनवाई के लिए आए मामलों में बैंक लोन, सिविल सूट व पारिवारिक विवाद सहित विभिन्न सरकारी विभागों से उपभोक्ता संबंधी मामले शामिल थे। कोर्ट में दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद आपसी सहमति से 124 मामलों का निपटान कर दिया गया। एसीजे सीनियर डिवीजन एवं एसडीजेएम के अनुसार वित्तीय मामलों में 13 लाख 18 हजार 628 की समझौता राशि घोषित की। न्यायाधीश अशोक कुमार ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से आम जन को त्वरित व सस्ता न्याय सुलभ होता है।

खबर संक्षेप

श्याम भक्तों को खाटूधाम के लिए मिली स्पेशल ट्रेन

कोसली। रेल प्रशासन की ओर से खाटू श्याम धाम जाने वाले यात्रियों के लिए हिसार से ढेहर का बालाजी तक तीन दिन के लिए स्पेशल मेल ट्रेन चलाई गई है। यह ट्रेन 8 मार्च से 10 मार्च तक हिसार से चलकर ढेहर का बालाजी तक जाएगी। कोसली स्टेशन अधीक्षक महेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि ट्रेन हिसार से रात्रि 9 बजे रवाना होकर 11:02 बजे कोसली रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी तथा रात 2:55 बजे रींगस पहुंचेगी।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 23 हजार निकाले

कोसली। कोसली के एचडीएफसी बैंक में एटीएम से पैसा निकालने आई महिला का एटीएम कार्ड बदलकर अज्ञात व्यक्ति ने उनके एक्सिस बैंक खाते से 23 हजार रुपये की राशि निकाल ली। मोबाइल पर संदेश आने के बाद महिला को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला। कोसली निवासी नविता देवी ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को अपने एक्सिस बैंक के खाते से पैसे निकलवाने के लिए एचडीएफसी बैंक के एटीएम में गई थी। पैसे निकालने में परेशानी होने पर उन्होंने पीछे खड़े अज्ञात व्यक्ति से मदद मांगी। उस व्यक्ति ने धोखे से उनका एटीएम कार्ड बदल लिया और बदले में एक्सिस बैंक का दूसरा कार्ड दे दिया। आधा घंटे बाद फोन पर 23 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया। एक्सिस बैंक की स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि पंजाब नेशनल बैंक साल्हावास के एटीएम से पैसे निकाले गए है।

महिला सशक्तिकरण पर बनाएं पोस्टर

नाहड़। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित महिला रीजनल सेंटर में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एनएसएस इकाई तथा महिला प्रकोष्ठ समन्वयक डा. अंजलि यादव व डा. प्रवेश कुमारी के मार्गदर्शन में छात्राओं की पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन और रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया। डा. यशपाल शर्मा ने छात्राओं से महिला सुरक्षा और कल्याण के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। रीजनल सेंटर के निदेशक प्रो. बलबीर सिंह ने छात्राओं को जीवन में बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डा. अनिल कुमार यादव व सनिता यादव सहित अनेक छात्राएं उपस्थित थी।

लेखकों व कवियों की पुस्तकों की प्रदर्शनी 16 को

रेवाड़ी। सांस्कृतिक संस्था मित्रम् के तत्वावधान में 16 मार्च को बाल भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम 'एक वासंती शाम-रेवाड़ी के नाम' में लगाई जाने वाली पुस्तक प्रदर्शनी के लिए जिले के सभी लेखकों एवं कवियों की ओर से प्रकाशित पुस्तकें आमंत्रित की गई हैं।सभी रचनाकारों की पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। उन्होंने सभी लेखकों से अपनी पुस्तकों की दो-दो प्रतियां 13 मार्च तक मित्रम् के मॉडल टाउन स्थित कार्यालय सिंहल न्यूज एजेंसी में जमा करने का आग्रह किया है।

सैनिक स्कूल में नारी सशक्तिकरण रैली निकालकर मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

नारी शक्ति ही अपने साहस, परिश्रम व दूरदर्शिता से असंभव को संभव करके दिखाती है: कैप्टन

प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

- आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं व प्रत्येक क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहीं

रेवाड़ी। पोस्टर व स्लोगन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश देते कैडेट्स व गांव में जागरूकता रैली निकालते हुए कैडेट्स। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

सैनिक स्कूल गोठड़ा में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल में नारी सम्मान व अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की स्वतंत्र प्रभार एनसीसी बटालियन के तत्वावधान में किया गया। इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एक्सीलरेट एक्शन अर्थात कार्रवाई में तेजी लाना रखी गई। विद्यालय के एनसीसी प्रकोष्ठ की ओर से नारा लेखन प्रतियोगिता, कविता-पाठ प्रतियोगिता, महिला जागरूकता रैली व नारी सम्मान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद कैडेट्स की ओर से स्कूल में नारी सशक्तिकरण और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से जुड़े कविता-पाठ और नारा लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का दिन महिलाओं के त्याग, समर्पण और परिश्रम को समर्पित है। नारी शक्ति ही वह शक्ति है जो अपने साहस, परिश्रम और दूरदर्शिता से असंभव को संभव कर दिखाती है। आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं तथा प्रत्येक क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहीं है। उन्होंनें बताया कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय चुना है। विषय प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन लर्निंग के लिए महिलाओं और लड़कियों की ओर से दिए जा रहे योगदान को स्वीकार करना और उनकी सराहना करना है। सैनिक स्कूलों में बालिकाओं का प्रवेश भी नारी सशक्तिकरण व भविष्य में महिला ऑफिसर प्रदान करने की दिशा में सराहनीय कदम है। लड़कियां भारतीय सेना में भावी सैन्य अधिकारी के रूप में देश सेवा कर सकेंगी। इस अवसर पर विद्यालय उप-प्राचार्य विंग कमांडर सुनैना चाहार, विद्यालय प्रशासनिक अधिकारी मेजर जयसिंह, कार्यक्रम के संयोजक एएनओ गौरव उपाध्याय व एनसीसी-एपीटीसी के जवानों सहित समस्त विद्यालय स्टॉफ एवं कैडेट्स उपस्थित थे।

रेवाड़ी। आईजीयू में होली पर्व मनाते शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

आईजीयू में हर्षोल्लास से मनाया होली मिलन समारोह

- सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को होली पर्व की बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आईजीयू के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को होली पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना गया है। होली एक धार्मिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक त्योहार है, जिसे सभी को एकजुट होकर बड़े उत्साह के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से प्राकृतिक हर्बल गुलाल के साथ होली पर्व मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि त्वचा पर दुष्प्रभाव डालने वाले रंग-गुलाल का इस्तेमाल न करें। अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रोफेसर करण सिंह ने कहा कि सभी शांतिप्रिय तरीके से होली का त्योहार धूमधाम से मनाए। उन्होंने जल संरक्षण का संदेश देते हुए प्रकृति से जुड़े रहने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों सहित सभी विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित थे।

रोजाना पहुंच रहे हजारों श्रृद्धालु

जैतपुर धाम में फाल्गुन माह में श्याम बाबा का लक्खी मेला शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुंड

रेवाड़ी। जैतपुर धाम श्याम मंदिर मौजूद श्याम भक्त।

खोल खंड के गांव बासदुदा क्षेत्र से सटे राजस्थान सीमा में प्राचीन धर्म स्थान श्याम बाबा मंदिर जैतपुर धाम में फाल्गुन माह में श्री श्याम लक्खी मेले का आयोजन शुरू हो गया है। श्याम बाबा के मेले में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु नंगे पैर व पेट पलनिया करते श्याम के जयकारों के साथ बाबा के दर्शन करने आ रहे है। मंदिर के पुजारी विकास ने बताया कि अब की बार मुख्य मेला शनिवार से शुरू हो गया है। 11 मार्च तक लगने वाले मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने आएंगे। वर्तमान में जैतपुर धाम आस्था केंद्र बन चुका है। श्याम भक्तों की ओर से जगह-जगह शिविर व भंडारा लगाकर भक्तों की सेवा की जा रही हैं। मेले में सुरक्षा को लेकर पुलिस भी तैनात है। मेले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम भी अपनी सेवा दे रही है।

युवक पर डंडों से हमला, केस दर्ज

कोसली। भाकली गांव के एक व्यक्ति ने गांव के ही एक युवक व उसके साथियों पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। भाकली गांव निवासी विरेन्द्र ने पुलिस को बताया कि वह नाहड़ रोड़ पर अपने किराएदार प्रवीन की दुकान में बैठे हुए थे कि भाकली गांव का राहुल एक गाड़ी में अपने तीन साथियों के साथ दुकान पर आया और बाहर निकलने को कहा। दुकान से उठकर बाहर आने लगे तो राहुल व उसके तीन साथियों ने उन्हें दुकान में ही रोक लिया।

नीलम और पुष्पेन्द्र चुने गए बेस्ट वॉलेंटियर

- श्री कृष्ण राजकीय महाविद्यालय कंवाली में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुंड

रेवाड़ी। एनएसएस कैंप के समापन पर स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए।

श्री कृष्ण राजकीय महाविद्यालय कंवाली में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन हो गया। प्राचार्या संगीता यादव ने मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच कंवाली शीलवती देवी का स्वागत किया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर अनीता यादव व राजेश कुमार ने सात दिवसीय कैंप की रिपोर्ट पेश की। इस अवसर पर प्राचार्या ने एनएसएस वॉलेंटियर्स से धैर्य बनाए रखने, अनुशासन में रहने, परिश्रम करन व अच्छी आदतों को अपनाने का आह्वान किया। एनएसएस कैंप में बेस्ट गर्ल्स वॉलेंटियर का खिताब नीलम शर्मा बीए तृतीय वर्ष व बेस्ट ब्वॉयज वॉलेंटियर पुष्पेंद्र बीए तृतीय वर्ष को चुना गया। इस अवसर पर डा. कृष्ण कुमार, डा. तीर्थराज, डा. पूनम, सुदेश, रीना व वेद प्रकाश सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को जानकारी दी

नाहड़ स्कूल के विद्यार्थियों ने वन्य प्राणी विहार का किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नाहड़

शहीद जीतराम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहड़ के विद्यार्थियों ने कौशल विकास कार्यक्रम के तहत वन्य प्राणी विहार नाहड़ का भ्रमण किया। शिक्षक कृष्ण भारद्वाज, वेदपाल, प्रवक्ता उगेश यादव,ज्योति, सुमन लता व मीनाक्षी के नेतृत्व में आयोजित भ्रमण में वन्य प्राणी विहार के इंचार्ज विक्रम, संदीप कुमार व मनीष शर्मा ने विद्यार्थियों को जानकारी दी। विद्यार्थियों ने वन्य जीव हिरण, अन्य जीव जंतुओं व अनेक प्रकार के पेड़-पौधों व वनस्पतियों की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने वन्य प्राणी विहार में हिरण व अन्य जीव-जंतु भी देखे।

वाहन चालकों को पढ़ाया ट्रैफिक नियमों का पाठ, समय पर चालान भरने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट में वाहन चालकों को जानकारी देते हुए विजयपाल। फोटो :हरिभूमि

यातायात पुलिस की ओर से आमजन को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस की ओर से बस स्टेंड धारूहेड़ा व ब्रास मार्केट में आमजन को यातायात के नियमों, नशे के दुष्प्रभावों व समय पर ट्रैफिक चालान भरने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों व आमजन को यातायात नियमों की पालना करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, रॉन्ग साईड ड्राइविंग न करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने, नशीले पदार्थ का प्रयोग न करने के साथ ही नाबालिग बच्चों को टू और फोर व्हीलर गाड़ी न चलाने देने को लेकर जागरूक किया। यातायात थाने से निरीक्षक रणसिंह व विजयपाल ने बताया कि नए नियमों के तहत सभी वाहन चालकों को निर्धारित समय में चालान का भुगतान करना अनिवार्य है।

भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना की

महिलाओं ने मूर्ति स्थापना पर निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जाटूसाना

खंड जाटूसाना के गांव खेड़ा आलमपुर स्थित शिव मंदिर में मूर्ति स्थापना से पूर्व शनिवार को कलश यात्रा व मूर्तियों की शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद मंदिर में भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापना की गई। कलश यात्रा में गांव की सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर गांव की परिक्रमा की। 9 मार्च को मंदिर परसिर में सुबह 8 बजे हवन के बाद 10 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर अरुण बोस रातावाले एंड पार्टी की ओर से भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा।

समाज को महिलाओं के प्रति सोच बदलने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कुलपति। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में महिला प्रकोष्ठ एवं प्रमन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जयप्रकाश यादव ने की। इस अवसर पर भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत के मानव संसाधन विकास केंद्र की निदेशिका डा. शेफाली नागपाल मुख्य वक्ता रही। प्रमन फाउंडेशन से एडवोकेट मंजू हथगांवकर एवं हिताची कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर प्रमोद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रोफेसर रोमिका बत्रा ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। एडवोकेट मंजू हथगांवकर ने विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों के बारे में अवगत कराया। डा. शेफाली नागपाल ने कहा कि आज समाज को महिलाओं के प्रति सोच बदलने की जरूरत है।

महिलाओं को भी अपने प्रति हीन भावना से ऊपर उठकर अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की आवश्यकता है। आज वह समय नहीं है जब महिलाओं के निर्णय लेने की क्षमता पर किसी प्रकार का संदेह नहीं किया जा सकता। कुलपति प्रो. यादव ने कहा कि आज के समय में महिलाएं किसी भी आधार पर पुरुषों से कम नहीं है।

आरडीए गर्ल्स कॉलेज में महिलाओं को अधिकारों के बारे में दी जानकारी

- महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में छात्राओं के साथ अतिथि, प्राचार्य व स्टाफ।

कालाका रोड स्थित आरडीएस कॉलेज में महिला प्रकोष्ठ ने रोग्स संस्था के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर पीसीओडी और पीसीओएस पर डॉक्टरों के पैनल ने महिलाओं से संबंधित बीमारियों के कारण, लक्षण और उपचार के बारे में चर्चा की। डा. नीरज, डा. सुरेखा, डा. किरण, डा. पूनम जैन, डा. अनुभूति सिंगला और डा. सुनीता ने छात्राओं की समस्याओं को सुना और उनका समाधान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डा. दलबीर सिंह यादव ने की। प्राचार्य ने सभी को महिला दिवस की बधाई दी और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी दी। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान मुकेश कुमार भट्ठेवाले, उपप्रधान मनीष कुमार अग्रवाल, सचिव प्रवीण कुमार व कोषाध्यक्ष प्रमिला ने भी सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम विभाग के जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अनेक गांवों में आयोजित किए कार्यक्रम

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने महिलाओं से किया जल संरक्षण के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान

- महिलाओं को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रेवाड़ी। महिलाओं को पुस्तिका वितरित करते विभाग के अधिकारी व हिलाओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन की ओर से शनिवार को जिले के विभिन्न खंडों में खंड संसाधक समन्वयकों के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। गांव बाम्बड़ में खंड संयोजक मनोज कुमार, खंड डहीना के गांव कंवाली में खंड संयोजक जितेंद्र, खंड जाटूसाना के गांव जाटूसना में खंड संयोजक अनिल नेहरा एवं खंड नाहड़ के गांव भाकली में खंड संयोजक ओमपति ने महिलाओं को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जल संरक्षण, जल गुणवत्ता, पेयजल संचालन एवं रखरखाव से अवगत कराया। कार्यक्रम में गांवों के सरपंच व जल एवं सीवरेज समिति के सदस्यों ने भाग लिया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने महिलाओं से जल संरक्षण के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। टीम ने ग्राम जल सीवरेज समिति के सदस्यों की भूमिका, अधिकार और कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। गांव बाम्बड़ में कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सचिव भावेश कुमार ने की। इस अवसर पर खंड संयोजक मनोज कुमार ने कहा कि यह दिवस प्रतिवर्ष महिलाओं के सशक्तिकरण, अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने व प्रेरणा देने के लिए मनाया जाता है।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर समिति मेंबर्स सविता देवी, निर्मला देवी, सुमित्रा, रेखा देवी, शीशपाल, रामबीर, बबली देवी, रीना,वेदवती देवी तथा रजनी देवी उपस्थित रही।

होली मिलन समारोह का आयोजन

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, यूथ रेडक्रॉस, एनएसएस व एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम महिलाओं के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण थी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डा.ज्योति यादव ने किया। इस अवसर पर प्राचार्या ने कहा कि नारी को अबला नहीं प्रबल बनना चाहिए तथा अपने आप को सशक्तिकरण के माध्यम से समाज का अहम हिस्सा बनाना चाहिए। प्राचार्या ने कहा कि छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से आर्थिक मजबूती की ओर अग्रसर होना चाहिए, जो उन्हें किसी भी प्रकार के निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा। छात्राओं ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। निकिता ने डांस, तान्या ने माता सावित्रीबाई फुले व रीमा ने न्यूज एंकर का रोल निभाकर अपनी प्रस्तुति दी। डा. सुनीता ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ अधिकारी डा. सुचेता रानी, यूथ रेडक्रॉस अधिकारी डा. सुनीता, एनएसएस अधिकारी रेणु व मोनिका तथा डा. ज्योति मौजूद थी। सभी स्टाफ सदस्यों का फूलों के माध्यम से होली पर्व का अभिनंदन किया।

haribhoomi.com
हरिभूमि रविवार भारती
रंगोत्सव विशेष
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपत्ति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।
मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।
केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।
रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।
सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।
इत्ता-सा वैक्यूम है, बित्ता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।
शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।
कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से ग्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।
तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।
वर की लर्निंग फेलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।
बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

आदिवासियों की होली में मोहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुलः बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होलीः मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंगः मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होलीः गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। ✻

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियों पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होलीः आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहासः नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सवः सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंस गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्तीः होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसानदायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप में मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे पर फेंक कर होली खेली जाती है।

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान के जयपुर में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है। राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! ✻

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। ✻

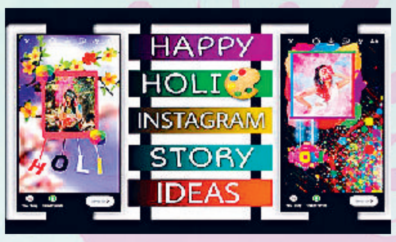

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉगः 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़ः यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी'ः फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होलीः फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूपः अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकरों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला'ः 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। ✻